NAME	PLACE	DATE
Nai Duniya	New Delhi	April 15, 2009

झुग्गी में बैसाखी

बैसाखी महापर्व के मौके पर निजामी बंधु ने अपनी कव्वाली से समां बांध दिया। निजामी बंधु की कव्वालियों से समां बांधा बवाना की जेजे कालोनी में। रॉबिन रैना फाउंडेशन की तरफ से इस कार्यक्रम का आयोजन 350 से ज्यादा गरीबों को छत मुहैया कराने के मौके पर किया गया। सिकंदरा घराने के ये कव्वाल पूरी दुनिया में संगीत की रोशनी जला रहे हैं। इस घराने का इतिहास काफी गौरवशील है। निजामुद्दीन औलिया और हजरत अमीर खुसरो के दरबार में भी इस घराने का संगीत गूंजा करता था। उस्ताद चांद निजामी, शादाब फरीदी निजामी और सोहराब फरीदी निजामी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उस्ताद चांद निजामी ने कई नज्म और गजलें भी लिखी हैं। इस कार्यक्रम के आयोजक रॉबिन रैना फाउंडेशन ने हर गरीब को छत मुहाया कराने का संकल्प लिया है। इसी मकसद से यह फाउंडेशन बवाना में झुग्गी वासियों के लिए 6000 से ज्यादा मकान बना रही है। 325 मकानों का तो आवंटन भी हो चुका है।